# संपादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिंदी पत्रिका "**प्रवाहिनी**" का 22वां अंक आप तक पहुंचाने में हमें अपार प्रसन्नता एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार में आशानुरूप वृद्धि हो, इसी बात को ध्यान में रखकर यह पत्रिका आप सभी के सहयोग से पिछले 21–22 वर्षों से निरंतर प्रकाशित की जा रही है। निदेशक महोदय के मागदर्शन एवं समस्त प्रबुद्ध लेखकों तथा आप सभी महानुभावों के सहयोग एवं समर्थन के फलस्वरूप ही आज हम इस अंक को प्रकाशित करने में सफल हो पाए हैं।

प्रस्तुत अंक में संस्थान ही नहीं अपितु संस्थानेत्तर व्यक्तियों के महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लेखों को भी शामिल किया गया है। हम उन सभी लेखकों का हृदय से आभार प्रकट करते हुए शुभकामनाएं देते हैं जिन्होंने अपने रोचक, ज्ञानवर्धक तथा उपयोगी लेख देकर राजभाषा हिंदी का मान–सम्मान बढ़ाया है और हमें इस मुकाम तक पहुंचने में सहयोग दिया है।

यह पत्रिका आपको कैसी लगी, अवश्य लिखें तथा इसकी साज–सज्जा व सामग्री में सुधार हेतु अपने सुझावों से भी हमें अवगत कराएं।

**(संपादक मंडल)**